कक्षा – 5वीं

पाठ – 10

एक दिन की बादशाहत

प्र.1 अब्बा ने क्या सोचकर आरिफ की बात मान ली?

उत्तर–अब्बा ने यह सोचकर आरिफ की बात मान ली क्योंकि उन्होने सोचा होगा कि इन बच्चों पर सभी हुकम चलाते हैं क्यों न एक दिन के लिए ये हक इन्हे भी दे दिया जाय।

प्र.2 वह एक दिन बहुत अनोखा था जब बच्चों को अधिकार मिल गए थे। वह दिन बीत जाने के बाद इन्होने क्या सोचा होगा?

उत्तर–(क) आरिफ ने – आरिक ने सोचा होगा कि कितना अच्छा था काश ऐसा दिन रोज आए।
(ख) अम्मी ने – अम्मी ने सोचा होगा कि इन बच्चों को थोड़ी बहुत आजादी देनी चाहिए।
(ग) दादी ने – दादी ने सोचा होगा कि इन ब्रच्चों को हम कितना कष्ट देते हैं।

प्र.3 अगर तुम्हें घर में एक दिन के लिए सारे आधिकार दे दिए जाएँ तो तुम क्या – क्या करोगे।

उत्तर–अगर हमें एक दिन के लिए सारे अधिकार दे दिए जाएँ तो हम अपने मनमर्जी के साथ – साथ कुछ भी कर सकते हैं।

प्र.4 तुम्हारे विचार से वे कौन कौन सी तरकीबे साचते होंगे?

उत्तर– हमारे विचार से वे हम जल्दी बड़े हो जाएँ जिससे हमें कोई डाँटे नहीं आदि तरकीबें सोचते होंगे।

प्र.5 कौन– सी तरकीब से उनकी इच्छा पूरी हो गई थी?

उत्तर– बड़ों के सभी अधिकार माँगकर और छोटों को बडों की तरह रहना आदि तरकीबों से उनकी इच्छा पूरी हो गई।

प्र.6 अम्मी के अधिकार किसने छीन लिए थे?

उत्तर– अम्मी के अधिकार आरिफ और सलीम ने छीन लिए थे।

प्र.7 क्या उन्हे अम्मी के अधिकार छिनने चाहिए थी?

उत्तर– नहीं उन्हें अम्मी के अधिकार नहीं छिनने चाहिए थे।

प्र.8 उन्होने अम्मी के कौन– कौन से अधिकार छीने होंगे?

उत्तर– उन्होने अम्मी के बात बात पर टोकते रहना, सुबह जल्दी जगाना आदि अधिकार छीने होंगे।

प्र.9 बादशाहत क्या होता है?

उत्तर– किसी क्षेत्र, राष्ट्र या देश पर शासन करना या पूरी वरह से अधिकार होना बादशाहत होता है।

प्र.10 कहानी में उस दिन बच्चों को सारे बड़े वाले काम करने पड़े थे। ऐसे में कौन एक दिन का असली बादशाह था।

उत्तर– आरिफ और सलीम एक दिन के असली बादशाह बन गए थे।

Edit with WPS Office